श्रमण संघ हो अविचल मंगल

शिव ध्यान धारा

वर्ष–4, अंक–3, अक्टूबर 2017, मूल्य रु. 20/–

श्री ध्यान गुरवे नमः

दिनांक 6-10-2017 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्रद्धेय शिवाचार्य श्री को ध्यान गुरु पद से अलंकृत किया।

भव-यात्रा को कम करने की विधि—आत्म ध्यान

- अरिहंत आराधिका निशा जैन

1. आंखें बंद, शरीर को कोई एक सुखद आसन दे दो। मैं माता, मैं पिता, मैं व्यापारी, मैं विद्वान, ये सारे मैं का अन्त कर दो। ये मैं मिथ्या हैं। मिथ्या मैं का अंत करना होगा। इसका अंत किये बिना आपकी साधना प्रारंभ नहीं होगी।
2. हे जीवात्मा! जन्मों जन्मों में मात्र मिथ्या मैं का पोषण किया है। जो नहीं है उसे अपना सत्य मानकर अपनी श्वांसो को व्यर्थ गंवाया है। हे जीवात्मन्! ये जान लो, ये समझ लो, इस देह से भिन्न तुम्हारा अस्तित्व है।
3. ये पुरुष, ये स्त्री, ये देह इसके मिट जाने के बाद भी हे जीवात्मन! तुम्हारा अस्तित्व है। श्मशान में इस देह के राख हो जाने के बाद भी तुम्हारा अस्तित्व है। मां के गर्भ में आने के पहले भी तुम्हारा अस्तित्व था। अनादि से तुम्हारी ये यात्रा चल रही है। तुमने अनेकों देह धारण किये, वो देह छूट गये। ये देह भी छुटेगा। वो सम्बन्धी छूट गये। ये सम्बन्धी भी छूटेंगे। पर अस्तित्व तुम्हारा है, था, व रहेगा। अपने अस्तित्व को जानो, तुम कौन हो। तुम्हारा स्वरूप क्या है। इस देह से जुदा तुम्हारी पहचान क्या है।
4. कौन जिसे बार-बार भिन्न-भिन्न गर्भ में जाना पड़ रहा है। वो कौन है जो चार गति की यात्रा कर रहा है। तुम्हारा वास्तविक स्वरूप क्या है? इस कक्ष में आने से पूर्व तुम्हारी जो भी पहचान थी। वो सारी मिथ्यात्व के आधार पर थी। अब इस साधना काल में तुम्हें, तुम्हारे स्वयं को पहचानना है।
5. तुम कौन हो, अपने का जानो, अपने भीतर अपना शोध करो। किसी पर की स्तुति नहीं करनी, अपने भीतर परम तत्व को खोजो। हर श्वास के साथ अपने भीतर गहरे-गहरे और गहरे प्रवेश करते जाओ। जहां अनिवार्य लगे सहज श्वास के साथ सोऽहं की ध्वनि को जोड़ा जा सकता है।
6. और गहरे, आप आत्मा हैं। अपने अलावा कोई चिन्तन नहीं, कोई विचार नहीं, स्वरूप का चिन्तन करते हुए, शून्य को प्राप्त करना है। .....
7. संसारी संसार के विषय में सोच कर कर्म बन्धन करता है। आत्मार्थी स्व का चिन्तन करता हुआ शून्य को प्राप्त कर भव-भव के एकत्रित कर्म क्षय करता है।
8. एक महत्वपूर्ण प्रश्न मैं कौन हूं? इसका समाधान हर जीव को अपने भीतर से ही मिलेगा। भीतर से ही मिला है। जो भी सिद्ध, बुद्ध, मुक्त हुए उन्होंने अपना शोध किया। अपने भीतर अपने स्वयं में डूबकर, अपना परिचय प्राप्त किया। हे जीवात्मा! अपने से प्रश्न कीजिये। मैं कौन हूं? मैं यहां क्यों आया हूं। किस उद्देश्य से मैं इस साधना यज्ञ में पहुंचा हूं।
9. यहां से कैसा होकर के बाहर निकलूं। मात्र श्रवण करने से आपकी सम्यक्त्व परिपक्व नहीं होगी। हे जीवात्मन्! अनिवार्य है अपने भीतर उतरना। अपना शोध करना। अपने पर विश्वास करना। सुने हुए ज्ञान से कि मैं आत्मा हूं आर्त-रौद्र ध्यान खत्म नहीं होगा।
10. मैं आत्मा हूं ये सत्य है। मुझे इस सत्य पर कितना विश्वास है। अनुकूलता में, प्रतिकूलता में उपसर्ग परीषह के दौरान मैं कितना स्वयं में रह पा रहा हूं। यह चिंतन कीजिए। यही साररुप है। तत्व रुप है।

APPLE SILK MILLS PVT. LTD.
Manufacturers of:
EXCLUSIVE FANCY SAREES
TM. NO. 722412
Y-1185/86, Ground Floor, Surat Textile Market, Ring Road, Surat-395 002
Ph:2322278, 2367868, 6611588,6611577.
www.applefashion.in
info: sales@applefashion.in
Apple FASHION

श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर
आचार्य सम्राट पूज्य
श्री शिवमुनिजी महाराज
के चरणों में शत शत वंदन

ASHOK - MANJU
PRACHI - SHETAL
& MEHTA FAMILY

Suchi INDUSTRIES LTD.

HOUSE OF WORLD CLASS EMBROIDERY

Corporate House :
SUCHI HOUSE
Near Kinnary Cinema, Ring Road,
SURAT-395 002. Gujrat (INDIA)
Ph.: +91-261-3201730, 2336968
Fax : +91-261-2313119
Website : www.suchifachion.com
E-mail : info@suchifachion.com

Factory :
Block No. 111, Kadodara Bardoli Road,
Village : Bagumara, Tal. Palsana
Dist. SURAT.
Tele. : 02622-324849

Postel Reg. No. : DL (N) 332/2015-2017
RNI No. DELBIL/2014/57576

।। श्री सीमंधर स्वामीने नमः ।।
आत्मज्ञानी सद्गुरु युगप्रधान
आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनि जी म.सा. के
हीरक जन्म जयंती पर्व
पर आस्था पुरुष के चरणों में
कोटि–कोटि वन्दन–अभिनन्दन!

MAAN

Maan Aluminium Ltd.

ISO 9001-2008

Winner of Export Excellence Award

"**NIRYAT SHREE AWARD** by President of India"

Head Office :

4/51, 1st Floor, Asafali Road, New Delhi-110002

Contact : 011-40081800

E-mail : info@maanaluminium.in • Website : www.maanaluminium.com

Regards

Ravinder Nath Jain

Chairman and MD

Manufacturing

Plot No. 67/A, Sector No. 1,
Industrial Area, Pithampur,
Distt. Dhar (M.P.)

कोमल प्रकाशन, दिल्ली # मो.: 09210480385

स्वामी : अखिल भारतवर्षीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रमण संघीय श्रावक समिति
एफ–3/20, रामाविहार, ओंकारधाम रोड, माजरी–करारा रोड़, दिल्ली–110081
मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक : श्री मुन्नालाल जैन, ए–3/120, सै. 5, रोहिणी, दिल्ली–110085,
मुद्रित : स्वास्तिक ऑफसेट एम–120, नवीन शाहदरा, दिल्ली–110032 द्वारा